4. १००८ श्री अभिनन्दन नाथ जी

यक्ष	चिन्ह	वर्ण	यक्षिणी
यक्षेश्वर	वानर	पीतवर्ण	वज्रश्रंखला

अर्घ

अष्ट द्रव्य संवारि सुन्दर, सुजय गाय रसाल ही।
नाचत रचत जजों चरन जुग, नाय नायसुभाल ही॥
जय कलुषताप निकन्द श्री अभिनन्द अनुपम चन्द हैं।
पद इन्द्र वृन्द जजें प्रभु, भवदंद फन्द निकन्द हैं॥

ॐ ह्रीं श्री अभिनन्दननाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

वैशाख शुक्ला-६

गर्भकल्याणक

माघ शुक्ला-१२

जन्मकल्याणक

माघ शुक्ला-१२

तपकल्याणक

पौष शुक्ला-१४

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री संवर राजा

माता: सिद्धरथ देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

वैशाख शुक्ला-६

मोक्षकल्याणक